

## खदानों से हमपी को खतरा

**स्रोत: द हट्टि**

हाल ही में कर्नाटक के वजियनगर ज़िले में स्थिति **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हमपी** के आस-पास के क्षेत्र में पत्थर उत्खनन गतिविधियाँ शुरू हो गई हैं।

- पर्यावरणविदों और पर्यटकों ने इन गतिविधियों के कारण इस स्थल की ऐतिहासिक तथा पारस्थितिक अखंडता पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंता जताई है।

## वजियनगर साम्राज्य और हमपी के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- वजियनगर साम्राज्य:**
  - वजियनगर साम्राज्य या "वजिय का शहर" की स्थापना वर्ष 1336 में हरहिर और बुक्का नामक दो भाइयों ने की थी, जो पहले मुहम्मद-बनि-तुगलक की सेना में सेवा कर चुके थे।
  - वे दिल्ली सल्तनत से अलग हो गये और कर्नाटक में एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना की, जिसका राजधानी शहर वजियनगर तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित था।
  - उनके राज्य की स्थापना में समकालीन वद्वान और संत वदियारण्य (Saint Vidyaranya) की सहायता और प्रेरणा मिली थी।
  - वजियनगर साम्राज्य पर संगम, सलुवा, तुलुवा और अरावट्टि नामक चार महत्त्वपूर्ण राजवंशों का शासन था।
  - तुलुव वंश के कृष्णदेवराय (1509-29) वजियनगर के सबसे प्रसिद्ध शासक थे।
    - उन्होंने तेलुगु में राजव्यवस्था पर एक ग्रंथ की रचना की जिसे अमुक्तमाल्यदा (Amuktamalyada) के नाम से जाना जाता है।
- हमपी:**
  - यह कर्नाटक के बेल्लारी ज़िले में स्थित है, जिसमें वजियनगर साम्राज्य की राजधानी (14वीं-16वीं शताब्दी ई.) के अवशेष शामिल हैं।
  - हमपी के मंदिरों की एक अनूठी विशेषता यह है कि यहाँ की चौड़ी रथ सड़कें स्तंभयुक्त मंडपों की पंक्ति से घेरि हुई हैं।
  - इसके प्रसिद्ध स्थलों में कृष्ण मंदिर परिसर, नरसहि, गणेश, हेमकूट मंदिर समूह, अच्युतराय मंदिर परिसर, वट्टिल मंदिर परिसर, पट्टाभरिम मंदिर परिसर, लोटस महल परिसर आदि शामिल हैं।
  - हमपी को वर्ष 1986 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।
  - वर्ष 1565 में दक्कन सल्तनतों के गठबंधन द्वारा वजियनगर साम्राज्य को पराजित कर दिया गया (तालिकोटा का युद्ध), जिसके बाद हमपी खंडहर बन गया।

## वट्टिल मंदिर:

- इसका निर्माण 15वीं शताब्दी में वजियनगर साम्राज्य के शासकों में से एक देवराय द्वितीय के शासनकाल में हुआ था।
- यह वट्टिल (भगवान वशिष्ठ) को समर्पित है और इसे वजिय वट्टिल मंदिर भी कहा जाता है।
- इसमें पत्थर के रथ और संगीतमय स्तंभ जैसे उल्लेखनीय आकर्षण हैं, जिसमें पत्थर के रथ को 50 रुपए के नोट पर दर्शाया गया है।

## हमपी रथ:

- यह भारत के तीन प्रसिद्ध पत्थर के रथों में से एक है, अन्य दो कोणारक (ओडिशा) और महाबलीपुरम (तमलिनाडु) में हैं।
- इसे 16वीं शताब्दी में वजियनगर के शासक राजा कृष्णदेवराय के आदेश पर बनाया गया था।
- यह भगवान वशिष्ठ के आधिकारिक वाहन गरुड को समर्पित एक मंदिर है।

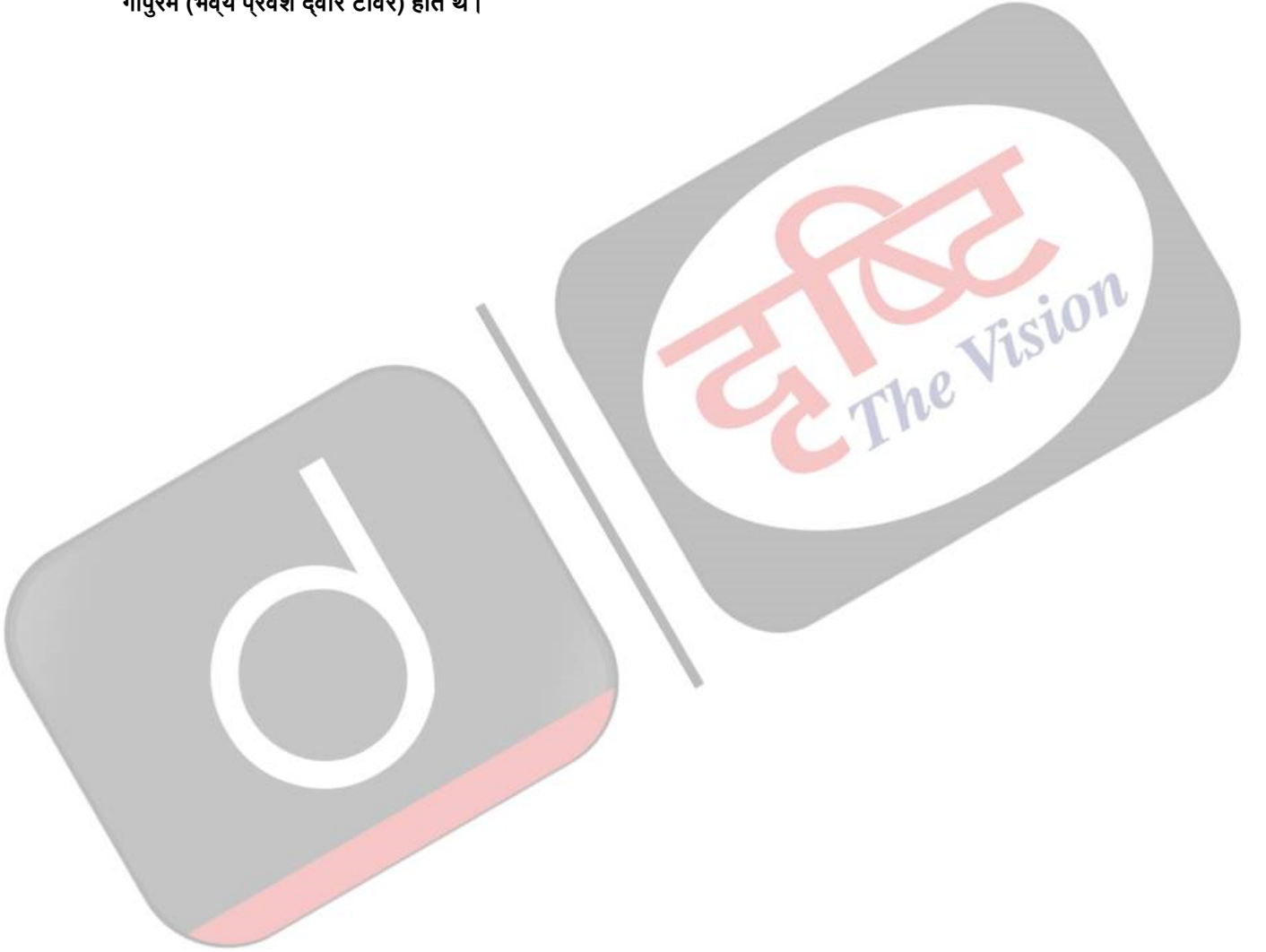
## वरुपाकष मंदिर:

- यह कर्नाटक के मध्य हमपी में 7वीं शताब्दी का शवि मंदिर है।
- भगवान वरुपाकष जिन्हें पंपापता भी कहा जाता है, वरुपाकष मंदिर के मुख्य देवता हैं।

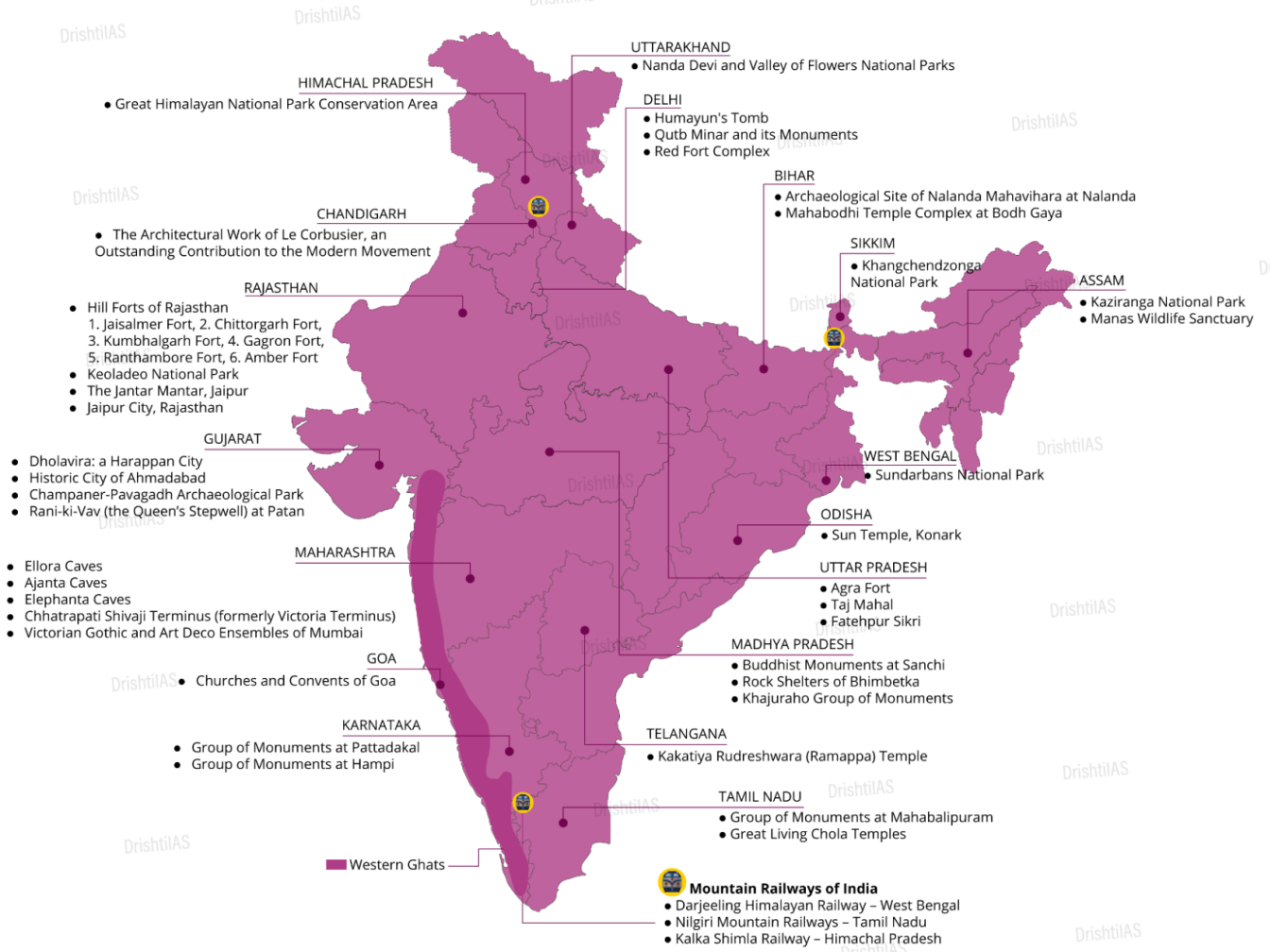
- इसे वजियनगर शैली की वास्तुकला में बनाया गया था और वजियनगर साम्राज्य के शासक देव राय द्वितीय के अधीन नायक लखन दंडेश ने इसका निर्माण कराया था ।

## वजियनगर मंदिर वास्तुकला शैली:

- विविध संरचनाएँ: इसमें मंदिर, अखंड मूर्तियाँ, महल, आधिकारिक इमारतें, शहर, सचिवाई प्रणालियाँ, बावड़ियाँ और तालाब शामिल थे ।
- शैलियों का मश्रण: वास्तुकला में हद्वि और इस्लामी तत्त्वों का अनूठा मश्रण था ।
- मंदिरों की विशेषताएँ थीं:
  - मंदिरों की दीवारें नक्काशी और ज्यामितीय पैटर्न से अत्यधिक सुसज्जति थीं ।
  - अब चारों तरफ गौपुरम बनाए गए ।
  - अखंड चट्टान के स्तंभ
  - सामान्यतः मंदिर के स्तंभों पर एक पौराणिक प्राणी याली (घोड़ा) उकेरा जाता है
  - प्रत्येक मंदिर में एक से अधिक मंडप बनाए गए थे । केंद्रीय मंडप को कल्याण मंडप के रूप में जाना जाने लगा ।
  - मंदिर परिसर के अंदर धर्मनिरपेक्ष इमारतों की अवधारणा भी इसी अवधि के दौरान शुरू की गई थी ।
  - उल्लेखनीय संरचनाओं में महानवमी टबिबा, कल्याण मंडप और हज़ारा राम मंदिर शामिल हैं । सजावटी तत्त्वों में अक्सर घोड़े और राया गोपुरम (भव्य प्रवेश द्वार टॉवर) होते थे ।



# यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल



## तथ्य

- भारत में विश्व धरोहर/विरासत स्थलों की कुल संख्या - 40
- कुल सांस्कृतिक धरोहर स्थल - 32
- कुल प्राकृतिक स्थल - 7 (काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, मानस वन्यजीव अभयारण्य, पश्चिमी घाट, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, नंदा देवी तथा फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क संरक्षण क्षेत्र, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान)
- मिश्रित स्थल - 1 (कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान)
- सूची में सबसे पहले शामिल किये गए धरोहर स्थल - ताजमहल, आगरा का किला, अजंता गुफाएँ तथा ऐलोरा गुफाएँ (सभी वर्ष 1983 में)
- सूची में हाल ही शामिल किये गए स्थल (2021) - हड़प्पाकालीन स्थल धौलावीरा (40वाँ स्थल), काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर (39वाँ स्थल)
- सर्वाधिक विश्व धरोहरों वाले देश - इटली (58), चीन (56), जर्मनी (51), फ्रांस (49), स्पेन (49)
- विश्व धरोहर स्थलों की संख्या के मामले में भारत छठे स्थान पर है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के परश्न

परश्न 1. नमिनलखिति कथनों में से कौन-सा सही है? (2021)

- (a) अजंता गुफाएँ, वाघोरा नदी की घाटी में स्थति हैं ।
- (b) साँची स्तूप, चंबल नदी की घाटी में स्थति है ।
- (c) पांडू-लेणा गुफा देव मंदरि, नर्मदा नदी की घाटी में स्थति है ।
- (d) अमरावती स्तूप, गोदावरी नदी की घाटी में स्थति है ।

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/quarrying-threatens-hampi>

